दैनिक भारत कि
# तामीर
संपादक - काझी मकदूम शफीउद्दीन hinditameer@gmail.com
Editor in chief- Qazi makhdoom shafiuddin
बीड (महाराष्ट्र) | वर्ष-१ ला | अंक-२८४ वा | बुधवार १४ मे २०२५ | RNI TITLE CODE:MAHHIN11405/120/1/3/2024 | किमत : २ रूपये | पन्ने - ४

# परमाणु युद्ध नहीं, व्यापार कीजिए-ट्रंप की भारत-पाक शांति पर बड़ी टिप्पणी

## सऊदी-अमेरिका निवेश मंच से बोले: युद्ध नहीं, डिनर और व्यापार कराएं, लाखों जानें बचीं

**रियाद/वॉशिंगटन (१३ मई):**
**अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत और पाकिस्तान के बीच शांति स्थापित करने का दावा एक बार फिर दोहराते हुए कहा है कि उनकी पहल से दोनों देशों के बीच संभावित परमाणु युद्ध टल गया और लाखों जानें बचीं। ट्रंप सऊदी अरब में आयोजित सऊदी-अमेरिका निवेश मंच को संबोधित कर रहे थे। ट्रंप ने कहा, हमने भारत और पाकिस्तान में व्यापार के ज़रिए शांति कराई। अगर दोनों देश एक साथ डिनर करें, तो यह बहुत अच्छा होगा। हमने उन्हें मिसाइलों की बजाय व्यापार पर सोचने को कहा।**

ट्रंप ने इस दौरान जे.डी. वेंस और मार्को रुबियो की भूमिका को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि

मैं शांति का दूत बनना चाहता हूं, युद्ध नहीं।

उन्होंने कहा कि कुछ दिन पहले ही भारत और पाकिस्तान के बीच सीज़फायर कराकर इतिहास रचा गया, और यह सब अमेरिका की सक्रिय कूटनीति की बदौलत संभव हुआ।

भारत ने खारिज किया ट्रंप का दावा

हालांकि, ट्रंप के इस बयान पर भारत की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया आई है, जिसमें उनके दावे को अवास्तविक बताया गया है। भारत ने स्पष्ट किया कि शांति प्रक्रिया में अमेरिका की कोई मध्यस्थता नहीं हुई, और न ही व्यापार का कोई प्रस्ताव या सहमति बनी थी।

राजनयिक हलकों में मिला-जुला रुख

ट्रंप के बयान पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय में मिला-जुला रुख देखने को मिला।

कुछ देशों ने उनकी शांति की पहल की सराहना की,

वहीं भारत में इसे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप की तरह देखा जा रहा है।

गौरतलब है कि भारत पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि कश्मीर सहित भारत-पाक मसले में किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता नहीं स्वीकार्य है।

व्यापार को बना रहे हैं कूटनीति का हथियार

ट्रंप ने इस मंच से साफ संकेत दिया कि वे व्यापार को कूटनीति का मुख्य माध्यम बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि

हमें परमाणु हथियारों की नहीं, साझेदारी और प्रगति की ज़रूरत है।

मध्य-पूर्व यात्रा पर फोकस

यह बयान ऐसे समय में आया है जब ट्रंप सऊदी अरब, क़तर और यूएई के दौरे पर हैं। उनका उद्देश्य है -

अमेरिकी निवेश को बढ़ावा देना,

मध्य-पूर्व में अमेरिका की स्थिति मजबूत करना,

और क्षेत्रीय तनाव कम करने में भूमिका निभाना।

ट्रंप का यह बयान एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में अमेरिका की सक्रिय भूमिका और उनकी 'डील मेकिंग' शैली को उजागर करता है। अब देखना यह होगा कि भारत और पाकिस्तान इस पहल पर क्या प्रतिक्रिया देते हैं और क्या वास्तव में व्यापार के जरिए सीमाओं पर शांति स्थापित की जा सकती है।

## छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) विभाग में बीड़ फिर से अव्वल

### बारहवीं के बाद अब दसवीं बोर्ड परीक्षा में भी बीड़ जिले का शानदार प्रदर्शन

बीड, १३ मई (प्रतिनिधि):

छात्रों के जीवन का टर्निंग पॉइंट मानी जाने वाली दसवीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम आज घोषित किया गया। छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) विभाग में बारहवीं के बाद दसवीं में भी बीड जिले ने अव्वल स्थान प्राप्त करते हुए सफलता का परचम लहराया है, जबकि औरंगाबाद जिला दूसरे स्थान पर रहा।

इस वर्ष की परीक्षा में लड़कियों ने लड़कों से बेहतर प्रदर्शन करते हुए साबित किया कि वे किसी से कम नहीं हैं। विभागीय शिक्षण मंडल के अध्यक्ष अनिल साबळे और सचिव डॉ. वैशाली जामदार ने मंगलवार दोपहर आयोजित पत्रकार परिषद में इस वर्ष का परीक्षा परिणाम घोषित किया।

डॉ. जामदार ने जानकारी दी कि छत्रपति संभाजीनगर (औरंगाबाद) विभाग में कुल १,८५,४०७ विद्यार्थियों ने दसवीं बोर्ड परीक्षा के लिए आवेदन किया था, जिनमें से १,८३,९५७ विद्यार्थी परीक्षा में उपस्थित हुए। इनमें से १,७०,७५० विद्यार्थी सफल हुए, जिससे विभाग का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत ९२.८२% रहा। पिछले वर्ष यह परिणाम ९५.१९% था, जिससे तुलना करने पर इस वर्ष का रिज़ल्ट २.३७% कम रहा। उन्होंने बताया कि कॉपीमुक्त अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के कारण इस बार परिणाम में यह गिरावट देखी गई। औरंगाबाद जिले की बात करें तो इस वर्ष ६६,६२६ विद्यार्थियों ने परीक्षा दी, जिनमें से ६२,३६६ विद्यार्थी सफल घोषित हुए। जिले की सफलता दर ९३.६०% रही। वहीं, बीड जिले से ४१,५४१ विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था, जिनमें से ४०,९७७ विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। इस प्रकार बीड़ जिले ने विभाग में एक बार फिर प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक गुणवत्ता का प्रमाण दिया है।

## बीड शहर में मानसून पूर्व स्वच्छता अभियान शुरू

### विधायक संदीप क्षीरसागर ने नगर परिषद की बैठक लेकर दिए निर्देश

बीड, १३ मई (प्रतिनिधि):

शहर में मानसून पूर्व स्वच्छता अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने हेतु विधायक संदीप क्षीरसागर ने मंगलवार (१३ मई) को बीड नगर परिषद के अधिकारियों के साथ एक समीक्षा बैठक आयोजित की।

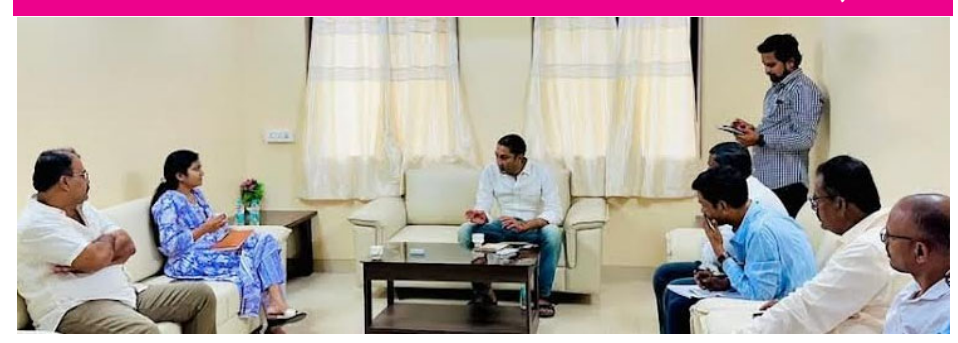

इस बैठक में नाले सफाई, सड़कों की स्वच्छता और पानी की निकासी से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। विधायक क्षीरसागर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून के आगमन से पूर्व सभी नालों की सफाई का कार्य नियोजनबद्ध रूप से पूर्ण किया जाए, ताकि बीडवासियों को बरसात के मौसम में किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। विधायक ने कहा कि नगर प्रशासन को आने वाले १० से १२ दिनों के भीतर पूरे शहर में मानसून पूर्व स्वच्छता अभियान चलाकर कार्य युद्ध स्तर पर पूरा करना होगा।

नगर परिषद को दिए गए निर्देशों में साफ कहा गया है कि इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और समयबद्ध ढंग से अभियान को सफल बनाया जाए।

## ना.पंकजा मुंडे का ऐतिहासिक फैसला-अब पशुसंवर्धन विभाग में तबादले होंगे काउंसलिंग के जरिए

मुंबई, १३ मई (प्रतिनिधि):

राज्य में पशुसंवर्धन विभाग के अधिकारियों के तबादलों की प्रक्रिया अब पारदर्शिता और समतोल के साथ संपन्न होगी। राज्य की पशुसंवर्धन मंत्री ना. पंकजा मुंडे ने विभाग के पशुधन विकास अधिकारी और सहायक आयुक्त संवर्ग के तबादले अब समुपदेशन (काउंसलिंग) के माध्यम से करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है।

१५-१६ मई को पुणे में होगी समुपदेशन प्रक्रिया

यह प्रक्रिया १५ और १६ मई २०२५ को आयुक्त, पशुसंवर्धन विभाग, महाराष्ट्र राज्य, पुणे कार्यालय में आयोजित की जाएगी। इस काउंसलिंग प्रक्रिया में लगभग ६५० अधिकारियों के तबादले किए जाएंगे।

पशुसंवर्धन और दुग्धव्यवसाय विभाग के पुनर्गठन के बाद कई नए पदों का निर्माण किया गया है, जिससे विभाग में रिक्त पदों की संख्या बढ़ गई है। इन पदों को भरने के लिए महाराष्ट्र लोकसेवा आयोग (चझडउ) के समक्ष ३००० से अधिक पदों की मांग रखी गई है, जिन्हें शीघ्र ही भरा जाना प्रस्तावित है।

तबादले पारदर्शिता से और प्राथमिकता के अनुसार

मंत्री पंकजा मुंडे ने बताया कि तबादले के लिए समुपदेशन पद्धति अपनाई जाएगी, जिससे अधिकारी वरिष्ठता और प्राथमिकता के आधार पर अपनी पसंद का स्थान चुन सकेंगे। इससे राज्य के विभिन्न हिस्सों में मानव संसाधनों का संतुलन स्थापित करने में मदद मिलेगी।

विशेष श्रेणियों को प्राथमिकता

समुपदेशन प्रक्रिया को पूर्ण पारदर्शिता के साथ संपन्न करने के निर्देश दिए गए हैं। इस प्रक्रिया में निम्न विशेष श्रेणियों को प्राथमिकता दी जाएगी:

दिव्यांग कर्मचारी

गंभीर बीमारी से पीड़ित

असक्षम पाल्य की देखभाल करने वाले

विधवा या परित्यक्ता महिलाएं

पति-पत्नी एकत्रिकरण की आवश्यकता वाले कर्मचारी

इन वर्गों के अधिकारियों को तबादले के लिए प्राथमिकता क्रम में वरीयता दी जाएगी।

पशुसंवर्धन विभाग की वेबसाइट पर तबादले के लिए निर्धारित पदों, श्रेणियों के अनुसार वरिष्ठता सूची, और उपलब्ध पदों की पूरी जानकारी उपलब्ध करा दी गई है। संबंधित अधिकारियों को लिंक के माध्यम से सभी जानकारी भेज दी गई है।

पशुसंवर्धन मंत्री पंकजा मुंडे ने भरोसा दिलाया है कि इस प्रक्रिया से विभाग में पारदर्शिता, संतुलन और कर्मचारियों की सुविधा को प्राथमिकता दी जाएगी।

## मिल्लिया गर्ल्स हाई स्कूल, बीड़ ने बरसों की परंपरा को बरकरार रखते हुए फिर रचा इतिहास-छात्राओं की संख्या और परिणाम प्रतिशत में ज़िले में अव्वल

बीड़ (संवाददाता):

मिल्लिया गर्ल्स हाई स्कूल, बीड़ की मेधावी छात्राओं ने एक बार फिर अपनी मेहनत और प्रतिभा का लोहा मनवाते हुए जिला स्तर पर सर्वोच्च स्थान हासिल किया है। इस वर्ष सज्जादे जुवेरिया मुजाहिद और मोमिन मुस्फिरा फसीहउद्दीन ने ९६.४०% अंक, जबकि मारिया खानम जाकिर खान ने ९५.६०% अंक प्राप्त किए। वहीं खान अलीना फातिमा फ़िरोज़ खान ने ९२.७% अंक हासिल करते हुए विद्यालय में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

महाराष्ट्र राज्य माध्यमिक व उच्च माध्यमिक शिक्षण मंडल द्वारा आयोजित फरवरी २०२५ की १०वीं की परीक्षा के घोषित परिणामों में अंजुमन इशाअत-ए-तालीम के अंतर्गत संचालित मिल्लिया गर्ल्स हाई स्कूल ने शानदार परिणाम के साथ बीड़ ज़िले में छात्राओं की सर्वाधिक संख्या और सफलता प्रतिशत में पहला स्थान प्राप्त किया है।

इस वर्ष इस विद्यालय से कुल २२८ छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया था, जिनमें से २२२ छात्राएं उत्तीर्ण घोषित हुईं।

विशेष उल्लेखनीय बात यह रही कि तीन छात्राओं ने ९५% से अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया।

सज्जादे जुवेरिया मुजाहिद और मोमिन मुस्फिरा फसीहउद्दीन ने ९६.४०%,

मारिया खानम जाकिर खान ने ९५.६०% अंक प्राप्त किए।

इनमें सज्जादे जुवेरिया और मारिया ने गणित विषय में ९९ अंक, जबकि मोमिन मुस्फिरा ने गणित में ९८ अंक हासिल कर अपनी विषय विशेषज्ञता का परिचय दिया। छात्राओं की इस शानदार उपलब्धि पर अंजुमन इशाअत-ए-तालीम की सचिव सबीहा बेगम खान, विद्यालय के प्राचार्य डॉ. सिद्दीकी मोहम्मद इरफान सादुल्लाह, उपप्रधानाचार्य खुरशेद अहमद, पर्यवेक्षक नसरीन फरहाना, कक्षा १०वीं के शिक्षकों तथा समस्त टीचिंग व नॉन-टीचिंग स्टाफ ने छात्राओं को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

**उर्दू दैनिक तामीर के २५ वे साल में क़दम रखने पर एक और पेशकश**

# मंत्रिमंडल की बैठक में ६ बड़े निर्णय

## सड़क पर रहने वाले बच्चों के पुनर्वास के लिए 'फिरते पथक' योजना को नियमित रूप से लागू किया जाएगा

मुंबई, विशेष संवाददाता: ज़मीर क़ाज़ी

राज्य सरकार ने सड़क पर रहने वाले बच्चों के पुनर्वास के लिए 'फिरते पथक' नामक एक समग्र योजना को पूरे राज्य में नियमित रूप से लागू करने का निर्णय मंगलवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में लिया। इस बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की। इस निर्णय के साथ कुल ६ अहम फैसले लिए गए।

इस योजना के अंतर्गत राज्य के हजारों बेघर बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा और नवजीवन का अवसर मिलेगा। यह योजना बाल अधिकारों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

राज्य की २९ महानगरपालिकाओं में प्रत्येक के लिए एक और मुंबई महानगरपालिका के पूर्व व पश्चिम उपनगरों के लिए दो, कुल ३१ मोबाइल टीमें (फिरते पथक) बनाई जाएंगी। भविष्य में इस योजना का दायरा और अधिक जिलों तक बढ़ाया जाएगा।

योजना का उद्देश्य सड़कों पर रहने वाले, अनाथ, एकल अथवा उपेक्षित बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ना, उन्हें शिक्षा के प्रति आकर्षित करना, स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और विभिन्न सरकारी योजनाओं के माध्यम से उनका समग्र पुनर्वास करना है।

यह योजना मिशन वात्सल्य के तहत पहले छह जिलों – मुंबई शहर, मुंबई उपनगर, ठाणे, पुणे, नागपुर और नाशिक में प्रायोगिक रूप से लागू की गई थी। इस योजना में चयनित स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा बाल स्नेही बस/वैन के माध्यम से सेवा दी जाती है। हर वैन में एक परामर्शदाता, शिक्षक, महिला कर्मचारी और वाहन चालक सहित ४ सदस्यों की टीम होगी। वैन में ऋ्झड ट्रैकिंग और उउढत कैमरा की भी व्यवस्था होगी।

हर बच्चे की सामाजिक रिपोर्ट तैयार की जाएगी और उसकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं के अनुसार पुनर्वास की योजना बनाई जाएगी। बच्चों को उम्र के अनुसार आंगनवाड़ी और स्कूलों में दाखिला दिलाया जाएगा, साथ ही स्वास्थ्य परीक्षण, टीकाकरण, पोषण, दवाइयों, स्वच्छता की आदतों और नशामुक्ति के लिए विशेष प्रयास किए जाएंगे।

प्रत्येक महीने कम से कम २०% बच्चों को स्कूलों में दाखिला दिलाना अनिवार्य होगा। योजना के अंतर्गत संस्थाओं को त्रैमासिक निधि दी जाएगी और महिला व बाल विकास विभाग के जिला अधिकारी नियमित समीक्षा करेंगे।

स्मार्ट सिटी योजना से प्रभावित नागरिकों को कम स्टांप शुल्क में घरों की रजिस्ट्री की मंजूरी

नागपुर के पुनापूर में होम स्वीट होम' योजना के तहत मिला लाभ

नागपुर स्मार्ट सिटी परियोजना से प्रभावित लोगों को मौजा पुनापूर में दिए गए घरों की रजिस्ट्री अब केवल १००० रुपये स्टांप शुल्क में होगी। पहले इसके लिए ४० से ४५ हजार रुपये का शुल्क देना पड़ता था। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत पहले से ही १००० रुपये का शुल्क निर्धारित था, जिसे अब इन घरों पर भी लागू किया गया है।

प्राकृतिक रेत की जगह कृत्रिम रेत' के उपयोग को बढ़ावा

पर्यावरण संरक्षण के साथ निर्माण कार्यों को मिलेगी नई दिशा

राज्य में निर्माण कार्यों के लिए प्राकृतिक रेत के विकल्प के रूप में कृत्रिम रेत (एम-सैंड) के उत्पादन और उपयोग की नीति को मंत्रिमंडल ने मंजूरी दी है। अब इसकी रॉयल्टी ६०० रुपये से घटाकर २०० रुपये प्रति ब्रास कर दी गई है।

क्रशर की मदद से क्वॉरी वेस्ट और डोंगर के पत्थरों से तैयार की गई यह रेत टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल मानी जा रही है। इसके प्रयोग को सार्वजनिक निर्माण कार्यों में बढ़ावा मिलेगा।

सरकारी कर्मचारियों की वेतन त्रुटियों पर खुल्लर समिति की सिफारिशें स्वीकार

राज्य सरकार ने सरकारी अधिकारियों और शिक्षकों की वेतन विसंगतियों पर मुकेश खुल्लर समिति की सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। समिति ने ४४१ संवर्गों से जुड़े प्रस्तावों की समीक्षा कर रिपोर्ट सौंपी थी। यह समिति १६ मार्च २०२४ को गठित की गई थी। समिति ने विभिन्न विभागों और ५८ संगठनों से बातचीत कर प्रस्तावों का परीक्षण किया।

राज्य के आईटीआई संस्थानों का होगा पीपीपी मॉडल से उन्नयन

मंत्रिमंडल ने राज्य के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप के माध्यम से आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों में बदलने की नीति को मंजूरी दी है। १० वर्ष के लिए भागीदारी करने वालों को कम से कम १० करोड़, और २० वर्ष के लिए २० करोड़ रुपये निवेश करना होगा।

आईटीआई संस्थान सरकार के अधीन रहेंगे, लेकिन निजी भागीदारों को आधुनिक उपकरण, पाठ्यक्रम, और निर्माण की अनुमति दी जाएगी। हर संस्थान में एक इंस्टीट्यूट मैनेजमेंट कमेटी (खचउ) बनेगी जिसमें भागीदार अध्यक्ष और प्राचार्य/उपप्राचार्य सचिव होंगे।

न्यायवैद्यक विश्वविद्यालय के नागपुर उपकेंद्र को भूमि मंजूरी

राष्ट्रीय न्यायवैद्यक विज्ञान विश्वविद्यालय के नागपुर उपकेंद्र के लिए कामठी तहसील के चिंचोली मौजा में २० हेक्टेयर जमीन देने का निर्णय लिया गया है। यह विश्वविद्यालय केंद्र सरकार के अंतर्गत गांधीनगर (गुजरात) में संचालित है और नागपुर में इसका उपकेंद्र खोला जा रहा है।

२०२५-२८ के लिए १२० करोड़ रुपये की राशि मंजूर की गई है। तब तक यह उपकेंद्र नागपुर में एक अस्थायी किराए की इमारत में काम करेगा।

## मिल्लीया बॉयज़ हाई स्कूल, क़िला बीड़ की शानदार शैक्षणिक उपलब्धि

### एसएससी २०२५ में ९०% का कुल परिणाम, जिले में फिर साबित की श्रेष्ठता

बीड़, विशेष संवाददाता: क़ाज़ी नासिर

अंजुमन इशात-ए-तालीम द्वारा संचालित क़िला बीड़ स्थित मिल्लीया बॉयज़ हाई स्कूल ने वर्ष २०२५ की एस.एस.सी. बोर्ड परीक्षा में एक बार फिर अपनी शानदार शैक्षणिक परंपरा को बरक़रार रखते हुए ज़िले में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। परीक्षा में सम्मिलित सभी छात्र सफल रहे, जिनमें से अधिकांश ने प्रथम और द्वितीय श्रेणी में सफलता प्राप्त की। विद्यालय का कुल परिणाम ९०% रहा।

परिणाम का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

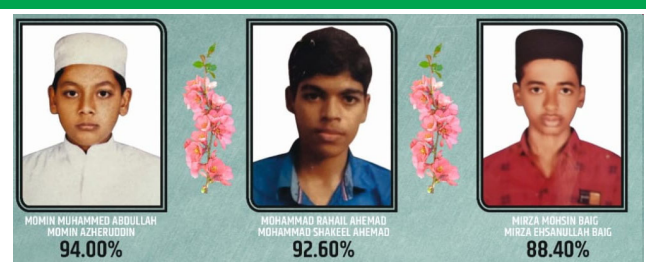


उत्कृष्ट श्रेणी में सफल छात्र : २

८०% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र: १४

डिस्टिंक्शन श्रेणी में सफल छात्र: २०

प्रथम श्रेणी में सफल छात्र: ४५

प्रमुख सफल छात्र और उनके अंक:

मोमिन मुहम्मद अब्दुल्ला मोमिन अज़हरउद्दीन – ९४.००% (प्रथम स्थान) मुहम्मद राहील अहमद मुहम्मद शकील अहमद – ९२.६०% (द्वितीय स्थान)

मिर्ज़ा मोहसिन बैग मिर्ज़ा एहसानुल्लाह बैग – ८८.४०% (तृतीय स्थान)

इस शानदार सफलता पर संस्था की सचिव सुब्हिया खानम बाजी, अध्यक्ष डॉ. सलीम बिन महफ़ूज़, प्रिंसिपल फ़ैसल चाउस और सभी शिक्षकों ने छात्रों को दिल से बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह परिणाम विद्यालय की गुणवत्ता, छात्रों की मेहनत और अभिभावकों के सहयोग का प्रत्यक्ष प्रमाण है।

संस्था ने यह संकल्प दोहराया है कि भविष्य में भी मिल्लीया बॉयज़ हाई स्कूल अपनी शैक्षणिक यात्रा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाएगा और समाज व राष्ट्र की सेवा करता रहेगा।

## भगवान हाई स्कूल, बीड़ का ऐतिहासिक बोर्ड परिणाम

### ३२१ में से ३२० छात्र सफल, १०१ छात्रों ने ९०% से अधिक अंक प्राप्त किए

बीड़, विशेष संवाददाता: क़ाज़ी नासिर

भगवान हाई स्कूल बीड़ ने एसएससी बोर्ड परीक्षा २०२५ में एक बार फिर अपने शैक्षणिक स्तर की श्रेष्ठता को सिद्ध करते हुए ज़बरदस्त सफलता अर्जित की है। इस वर्ष कुल ३२१ छात्रों ने परीक्षा में हिस्सा लिया, जिनमें से ३२० छात्र सफल हुए। यह विद्यालय के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है।

परिणाम का विवरण इस प्रकार है:

९०% से अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र: १०१

प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण छात्र: ६४

द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण छात्र: ३२

इस वर्ष की परीक्षा की विशेष बात यह रही कि यह सफलता पूर्व प्रधानाचार्य श्री शेख मूसा सर बलीपीर के मार्गदर्शन में शिक्षित अंतिम बैच को प्राप्त हुई है। वे दिनांक १ मई २०२५ को सेवा-निवृत्त हुए। छात्रों की इस ऐतिहासिक सफलता को उनके प्रति एक 'ख़िराज-ए-तहसीन' माना जा रहा है।

शेख मूसा सर ने अपने लंबे सेवाकाल में विद्यालय की शिक्षण व्यवस्था, अनुशासन, और संस्कारों को एक नई ऊँचाई प्रदान की। उनका नेतृत्व छात्रों, शिक्षकों और प्रबंधन के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत रहा है।

वर्तमान प्रधानाचार्य श्री अघव सर के नेतृत्व में भी विद्यालय ने अपने शैक्षणिक प्रदर्शन को बनाए रखते हुए सफलता की इस परंपरा को जारी रखा है।

विद्यालय परिवार, शिक्षकगण और प्रबंधन समिति की ओर से सभी सफल छात्रों को हार्दिक बधाई दी गई है। साथ ही, पूर्व प्रधानाचार्य शेख मूसा सर के योगदान को विशेष रूप से सराहा गया है।

विशेष टिप्पणी:

यह केवल परीक्षा में सफलता नहीं, बल्कि शिक्षण, नेतृत्व और समर्पण की त्रिमूर्ति का परिणाम है। भगवान हाई स्कूल ने यह साबित कर दिया है कि योग्य नेतृत्व, समर्पित शिक्षक और मेहनती छात्र मिलकर कोई भी ऊँचाई प्राप्त कर सकते हैं।

## मैं कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करूंगा-सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना का संकल्प

### मामले में फैसले, नीतिगत रुख और निष्पक्षता के लिए ख्यात उगख ने कहा: फैसले तथ्यों के आधार पर दिए

नई दिल्ली । १३ मई २०२५

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना आज अपने पद से सेवानिवृत्त हो गए। उन्होंने लगभग छह महीने भारत के मुख्य न्यायाधीश (उगख) के रूप में सेवा दी, जबकि सुप्रीम कोर्ट में उनकी कुल सेवा अवधि पाँच साल छह महीने रही।

जस्टिस खन्ना ने अपने करियर की शुरुआत दिल्ली जिला अदालत से की थी और बाद में दिल्ली हाईकोर्ट में वकील के रूप में कार्य किया। वहीं से वह हाईकोर्ट के जज बने और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचेद्द

सेवानिवृत्ति से ठीक एक दिन पहले उन्होंने स्पष्ट किया कि

मैं रिटायरमेंट के बाद कोई सरकारी पद स्वीकार नहीं करूंगा।

हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि वह कानूनी क्षेत्र में सक्रिय बने रहेंगे।

अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों में ऐतिहासिक निर्णय दिए या निर्णय सुनाने वाली पीठ का हिस्सा रहे। प्रमुख मामलों में शामिल हैं:

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अंतरिम जमानत देना,

इलेक्टोरल बॉन्ड योजना को असंवैधानिक घोषित करना,

मंदिर-मस्जिद विवाद में नए सर्वेक्षण पर रोक लगाना,

वक्फ संशोधन कानून में मुस्लिम पक्ष को राहत देना, अनुच्छेद ३७० की समाप्ति को बरकरार रखने वाला ऐतिहासिक फैसला।

अपनी कार्यशैली पर टिप्पणी करते हुए जस्टिस खन्ना ने कहा कि

मेरे निर्णयों में कोई रहस्य नहीं है; मैं हमेशा तथ्यों के आधार पर निर्णय करता हूं।

उन्होंने यह भी कहा कि एक न्यायाधीश को कानूनी दृष्टि और संतुलित निर्णय क्षमता रखनी चाहिए, जो दोनों पक्षों को सुनकर निष्पक्ष फैसला करे। यह बात उन्होंने न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के दृष्टिकोण का हवाला देते हुए कही।

अब जस्टिस खन्ना की सेवानिवृत्ति के बाद जस्टिस बी. आर. गोई भारत के नए मुख्य न्यायाधीश (उगख) होंगे। खास बात यह है कि वह भारत के पहले बौद्ध मुख्य न्यायाधीश होंगे और दलित समुदाय से आने वाले दूसरे व्यक्ति होंगे जो इस शीर्ष संवैधानिक पद तक पहुंचे हैं। उनके पिता आर. एस. गोई ने वर्ष १९५६ में डॉ. भीमराव अंबेडकर के साथ बौद्ध धर्म अपनाया था।

## बीजेपी मंत्री का कर्नल सोफिया कुरैशी पर शर्मनाक टिप्पणी

### विजय शाह के आपत्तिजनक बयान से देश में आक्रोश, इस्तीफे और माफ़ी की उठी मांग, सेना को किया बदनाम

बीड़, १२ मई (प्रतिनिधि) : मध्यप्रदेश के शिक्षा मंत्री और भाजपा नेता विजय शाह द्वारा भारतीय सेना की वरिष्ठ अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई अशोभनीय टिप्पणी को लेकर देशभर में तीखी प्रतिक्रिया देखी जा रही है। विजय शाह ने अपने भाषण में कर्नल सोफिया कुरैशी को निशाना बनाते हुए जो शब्द कहे, उन्हें न सिर्फ़ आपत्तिजनक माना गया, बल्कि उन्हें देश की सेना का अपमान भी कहा जा रहा है।

कर्नल सोफिया कुरैशी ने २०१६ में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय सैन्य अभ्यास में भारत की सैन्य टुकड़ी का नेतृत्व कर इतिहास रचाया था। वह भारतीय सेना की पहली मुस्लिम महिला अधिकारी हैं जिन्होंने संयुक्त राष्ट्र मिशन में भी देश का प्रतिनिधित्व किया है।

विजय शाह ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, अब महिलाएं फौज में जाकर मेहंदी और चूड़ियां पहनेंगी क्या? इस बयान को लेकर सोशल मीडिया से लेकर राजनीतिक गलियारों तक विरोध की लहर दौड़ गई है। बयान को न केवल महिला विरोधी बल्कि सेना की गरिमा के खिलाफ भी माना जा रहा है।

कई राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने इस बयान की कड़ी निंदा की है और विजय शाह से तत्काल माफ़ी मांगने तथा मंत्री पद से इस्तीफा देने की मांग की है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने इसे देश की बेटियों का अपमान बताया है।

कर्नल सोफिया कुरैशी को लेकर कहा गया यह बयान ऐसे समय आया है जब देश की महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं और सेना में भी उनकी भागीदारी बढ़ रही है। सेना के एक सेवानिवृत्त अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर कहा कि राजनीतिक मंचों से इस तरह के बयान न केवल महिला अधिकारियों का मनोबल तोड़ते हैं, बल्कि सेना की प्रतिष्ठा को भी ठेस पहुंचाते हैं। इस विवाद के बाद भाजपा की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है।

## दसवीं बोर्ड परीक्षा में मोहम्मद अनस की शानदार सफलता

### ८८% अंकों के साथ किया परिवार और विद्यालय का नाम रोशन

बीड (प्रतिनिधि):

शहर के मोहम्मद अनस खान ने दसवीं बोर्ड परीक्षा में ८८% अंक प्राप्त कर उत्कृष्ट सफलता हासिल की है। इस उपलब्धि पर उन्हें परिवार, शिक्षक और मित्रों द्वारा शुभकामनाओं और बधाइयों से नवाज़ा जा रहा है।

मार्च माह में आयोजित इयत्ता १०वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम मंगलवार (१३ मई) को ऑनलाइन घोषित किया गया। इस परीक्षा में बार्शी नाका क्षेत्र स्थित पिप्लस सेमी इंग्लिश स्कूल के विद्यार्थी मोहम्मद अनस खालिद खान ने ८८ प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र का नाम गौरवान्वित किया है।

मोहम्मद अनस की इस सफलता पर उनके माता-पिता, रिश्तेदार, मित्रों और शिक्षकों ने उन्हें हार्दिक बधाई दी है और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

दैनिक भारत की तामीर अखबार के मालिक, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक काजी मखदूम शफीउद्दीन ने आरएम प्रिंटरर्स, बार्शी रोड, बीड 431122 महाराष्ट्र में मुद्रित कर के दैनिक तामीर, नगर परिषद परिसर, बशीर गंज, बीड, महाराष्ट्र कार्यालय से प्रकाशित किया है। मोबाइल : 9270574444 ईमेल : hinditameer@gmail.com वेबसाइट : www.dailytameer.com

daily Bharat ki tameer newspaper owner printer publisher editor Quazi makhdoom shafiuddin has printed at RM printers barshi road beed 431122 Maharashtra at published at office daily tameer nagar parishad complex Bashir gunj beed Maharashtra. Mobile : 9270574444 Email : hinditameer@gmail.com Website : www.dailytameer.com